an>

Title :Condemning the comparison between Uri and Demonetisation deaths.

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत (जोधपुर) : अध्यक्ष महोदया, यदि आप अनुमति दें, तो मैं अपना विÂाय परिवर्तित करना चाहता हूं। ...(व्यवधान) राज्य सभा में नेता, प्रतिक्ष ने जो बयान दिया है, उस बारे में मैं बात करना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदया, यदि आप अनुमति दें, तो मैं अपना विÂषय परिवर्तित करना चाहता हूं। ...(व्यवधान) नेता, प्रतिपक्ष ने जिस तरह से उरी की घटना में शहीद हुए लोगों की ...(व्यवधान) शहादत को नोटबंदी के बाद बैंक की लाइनों में लगे लोगों की आकस्मिक मृत्यु से कम्पेयर किया है ...(व्यवधान) यह इस देश के लिए निश्चित रूप से शर्मनाक है। ...(व्यवधान) मैं मांग करना चाहता हूं कि सदन में इस बात का प्रस्ताव पारित किया जाना चाहिए कि नेता, प्रतिपक्ष ने जो बयान दिया है, उस पर वह माफी मांगे। ...(व्यवधान) वे देश से उस बारे में लिखित में माफी मांगे। ...(व्यवधान) क्योंकि पूरे देश के सैनिकों का इसमें अपमान हुआ है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:

श्री रोड़मल नागर,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्रीमती मीनाक्षी लेखी,

श्री अजय मिश्रा टेनी,

श्री सुमेधानन्द सरस्वती,

श्री हरीश मीना,

श्री राहुल कस्वां,

श्री देवजी एम. पटेल,

श्री शिवकुमार उदासि और

श्री उदय प्रताप सिंह, को श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।